**भारत सरकार**
**नागर विमानन मंत्रालय**
**राज्य सभा**
**लिखित प्रश्न संख्या : 2573**
**सोमवार, 16 मार्च, 2026 (25 फाल्गुन, 1947 (शक)) को दिया जाने वाला उत्तर**

## उड़ान का विस्तार और रिमोट एक्सेस

**2573. श्री उज्जवल देवराव निकमः**
**श्री अशोकराव शंकरराव चव्हाणः**
**श्री केसरीदेवसिंह झालाः**
**श्री राजीब भट्टाचार्जीः**
**श्री एस. सेल्वागनबेथीः**

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने 2026 की शुरुआत तक 100 ऐसे विमानपत्तनों को चालू करने का अपना लक्ष्य पूरा कर लिया है जहाँ हवाई सेवा उपलब्ध नहीं है या कम उपलब्ध है;

(ख) असेवित और अल्पसेवित विमानपत्तनों के विस्तार के अगले चरण के लिए समय-सीमा और प्रस्तावित स्थान सहित निर्धारित रूपरेखा और लक्ष्य क्या हैं;

(ग) वित्तीय वर्ष 2026-27 में उड़ान के लिए बजटीय आवंटन में हुई वृद्धि का उपयोग उत्तर पूर्व में अंतिम-मील कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए किस प्रकार किया जाएगा;

(घ) क्या सरकार ने द्वीपीय क्षेत्रों और तटीय क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सीप्लेन व्यवहार्यता अंतर निधि (वीजीएफ) योजना को अंतिम रूप दे दिया है;

(ङ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) केंद्र सरकार, सतना और थूथुकुडी जैसे नवउद्घाटित टर्मिनलों को व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य बनाए रखना सुनिश्चित करने के लिए, राज्य सरकारों के साथ किस प्रकार समन्वय कर रही है?

**उत्तर**

**नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)**

(क) से (ग): क्षेत्रीय संपर्क योजना- उड़ान के तहत, दिनांक 28.02.2026 तक, 95 असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों (17 हेलीपोर्टों और 2 वॉटर एयरोड्रोमों सहित) को जोड़ने वाले 663 मार्गों को कार्यशील किया गया है।

क्षेत्रीय हवाई संपर्क को और सुदृढ़ करने और बढ़ाने के लिए सरकार ने देशभर में 120 नए गंतव्यों के लिए क्षेत्रीय संपर्क बढ़ाने और अगले 10 वर्षों में 4 करोड़ यात्रियों को सेवा प्रदान करने के लिए संशोधित 'उड़ान' योजना आरंभ करने की घोषणा की है। यह योजना पर्वतीय, आकांक्षी और पूर्वोत्तर क्षेत्र के जिलों में हेलीपैडों और छोटे हवाईअड्डों को भी सहायता प्रदान करेगी। यह योजना वर्तमान में अनुमोदन स्तर पर है।

(घ) और (ङ) : सरकार ने हाल ही में सीप्लेन परिचालन के लिए सहायता प्रदान करने हेतु सीप्लेन वीजीएफ योजना आरंभ करने की घोषणा की है। यह योजना वर्तमान में निर्माण चरण में है।

(च) : नए टर्मिनल भवनों के निर्माण सहित हवाईअड्डा अवसंरचना का विकास और उन्नयन भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण और अन्य हवाईअड्डा विकासकर्ताओं द्वारा यातायात की मांग और भावी विकास अनुमानों के आधार पर किया जाता है। सतना और थूथुकुडी जैसे नव उद्घाटित टर्मिनलों सहित किसी भी हवाईअड्डे से अनुसूचित हवाई सेवाओं का परिचालन एयरलाइनों का एक वाणिज्यिक निर्णय होता है जो परिचालन और वाणिज्यिक व्यवहार्यता पर निर्भर करता है।

******